एक युनैस्को नैचुरल हैरिटेज साइट को खरगोशों और चूहों के आंतक से मुक्त कराया गया और घुसपैठियों से मुक्त घोषित होने के 8 सालों के बाद उक्त द्वीप फिर से मूल स्वरुप में लौट आया है। एन्टार्कटिका के मक्वायर द्वीप को 1997 में युनैस्को ने नैचुरल हैरिटेज घोषित किया था। केवल इसलिए क्योंकि दुनिया में ऐसी दूसरी कोई जगह नहीं थी। लगभग 21 मील लम्बा और 3.4 मील चौड़ा यह द्वीप विश्व का एक मात्र ऐसा स्थान है जहां, पृथ्वी के क्रस्ट तथा बाहरी कोर के बीच की परत की चट्टानें सी लैवल के ऊपर दिख रही हैं। विश्व में सी बर्ड्स की सबसे घनी आबादी यहीं पर है। यहां पैनग्विन की बहुत बड़ी आबादी है, जिनमें रॉयल पैनग्विन शामिल हैं, जो सिर्फ यहीं पाए जाते हैं। इसके अलावा एल्बैट्रॉस, पैट्रल और प्रियॉन्स पक्षी भी यहां बड़ी तादाद में हैं। पृथ्वी के अन्य द्वीपों की तरह 18 वीं सदी में यहां भी नाविकों के साथ बिल्ली, चूहे और खरगोश आए थे, जिन्होंने ना केवल यहां की वनस्पति को नष्ट किया बल्कि यहां के कीटों को भी खत्म कर दिया जिससे धीरे-धीरे यह द्वीप उजड़ गया। वर्ष 2007 में ऑस्ट्रेलिया और टैस्मेनिया ने इस द्वीप को घुसपैठिए चूहों व खरगोशों से मुक्त करवाने की मुहिम छेड़ी। इसके तहत डॉग हैण्डलर मैलिसा ह्यूटन को यहां लाया गया, उनके साथ ''वैंग्स'' नाम का काला लैब्रडोर कुत्ता था। ह्यूटन के आने से बिल्लियां गायब हुईं और पिछली कई सर्दियों में डाले गये विष भरे भोजन के कारण चूहे भी गायब हो गए। वर्ष 2011 तक कुत्तों की टीम के साथ शिकारी भी यहाँ आए और सभी घुसपैठिया प्रजातियों का उन्मूलन कर दिया गया। ह्यूटन ने बताया कि, द्वीप के पथरीले तट, जो पैनग्विन व एलिफैंट सील के झुण्डों से भरे हैं, उनके अलावा द्वीप की बाकी भूमि की गुणवत्ता, खरगोशों के बिलों के कारण काफी घट गई थी। खरगोशों के बिलों से जमीन पोली हो गई थी। ह्यूटन एवं उनके प्रशिक्षित पालतू कुत्ते ''वैंग्स'' ने वर्ष 2014 में आखिरी खरगोश (मादा) को भी ढूंढ निकाला। उसके बाद से यह क्षेत्र चूहों व खरगोशों से मुक्त हो गया है। तब से इस द्वीप की स्थिति काफी बेहतर होती जा रही है। ऑर्किड व अन्य पेड़ -पौधे पनप रहे हैं, कीटों की संख्या भी बढ़ गई है, जो पक्षी यहां से छोड़े गए थे वे वापस लौट आए हैं। मक्वायर द्वीप उन 181 आइलैंड्स में से एक है जिन्हें 2000 के बाद से घुसपैठिया प्रजातियों से मुक्त करवाया गया है।

चार्ल्स-तृतीय को एक ऐतिहासिक शाही समारोह में ब्रिटेन का नया सम्राट घोषित किया गया

इस ताजपोशी समारोह का पूरे ब्रिटेन में लाइव प्रसारण भी हुआ

लंदन, 10 सितम्बर। ब्रिटेन में नए युग का आगाज हो गया है। क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के दो दिन बाद उनके बेटे चार्ल्स-3 को ब्रिटेन का नया सम्राट घोषित किया गया है। इतिहास में पहली बार टेलीविजन पर ऐतिहासिक समारोह में किंग चार्ल्स तृतीय की ताजपोशी हुई। इसके साथ ही उनकी पत्नी कैमिला क्वीन कंसोर्ट चुनी गईं।

सेंट जेम्स पैलेस में एक ऐतिहासिक समारोह में शनिवार को किंग चार्ल्स तृतीय को आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन का सम्राट घोषित किया गया। मां एलिजाबेथ द्वितीय के निधन से पूर्व वह ब्रिटेन के प्रिंस थे, शनिवार को उनकी ताजपोशी की औपचारिक घोषणा की गई।

लंदन में सेंट जेम्स पैलेस में शाही समारोह के दौरान ब्रिटेन की पी.एम. लिज ट्रस के अलावा कई वरिष्ठ राजनेता और अधिकारियों ने भाग लिया। इनमें वे अधिकारी और राजनेता भी शामिल हुए जो आने वाले समय में सम्राट के सलाहकार के तौर पर काम करेंगे। समारोह में किंग चार्ल्स के साथ उनकी पत्नी कैमिला को क्वीन कंसोर्ट चुना गया। साथ में उनके सबसे बड़े बेटे विलियम चार्ल्स के उत्तराधिकारी होंगे। उन्हें प्रिंस ऑफ वेल्स की उपाधि दी गई।

- **ताजपोशी समारोह सेंट जेम्स पैलेस में हुआ। जिसमें किंग चार्ल्स के बड़े बेटे विलियम को उनका उत्तराधिकारी बनाकर प्रिंस घोषित किया गया।**
- **शाही समारोह में ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज़ ट्रस के अलावा कई वरिष्ठ राजनेता और अधिकारियों ने भाग लिया। इनमें वे अधिकारी और राजनेता भी शामिल हुए जो आने वाले समय में किंग चार्ल्स के सलाहकार के तौर पर काम करेंगे।**

ब्रिटेन के नए सम्राट चार्ल्स ने इससे पहले शुक्रवार को अपने पहले संबोधन में मां एलिजाबेथ द्वितीय को याद किया और कसम खाई वे अपनी मां और महारानी द्वारा खाई कसम को जारी रखेंगे और आजीवन ब्रिटेन के लोगों के लिए काम करते रहेंगे।

शुक्रवार को सम्राट ने अपनी मां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था, ''... मेरी प्यारी मां जब आप मेरे प्रिय स्वर्गीय पिता से मिलने के लिए अपनी अंतिम महान यात्रा शुरू कर चुके हैं, मैं बस आपको धन्यवाद कहना चाहता हूं। हमारे परिवार और राष्ट्र के लोगों के प्रति आपके प्यार और समर्पण के लिए धन्यवाद, आपने इतने वर्षों तक इतनी लगन से सेवा की। चार्ल्स -3 को 700 सदस्यीय परिग्रहण परिषद द्वारा नया सम्राट घोषित किया गया।

बीबीसी ने उद्घोषणा के हवाले से कहा कि प्रिंस चार्ल्स फिलिप आर्थर जॉर्ज अब चार्ल्स तृतीय हैं। पेनी मोर्डेंट ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन की घोषणा के बाद प्रिंस चार्ल्स के राजा बनने की उद्घोषणा की थी। घोषणा पर हस्ताक्षर प्रिंस विलियम के सामने हुआ जबकि प्रधानमंत्री लिज़ ट्रस और आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी भी इस मौके पर मौजूद थे।

ब्रिटेन के नए सम्राट की ताजपोशी के समय सात पूर्व प्रधानमंत्री में गॉर्डन ब्राउन, डेविड कैमरन, बोरिस जॉनसन और थेरेसा मे भी शामिल थे जो नए राजा की घोषणा को पढ़कर सुनाते समय वहां मौजूद थे। - --

प्रदेश में सात दिन बाद करोना से एक और मरीज की मौत

राज्य में शनिवार को 177 नए संक्रमित मिले, जबकि शुक्रवार को 251 रोगी पाए गए थे

जयपुर, 10 सितम्बर। प्रदेश में सात दिन बाद शनिवार को करोना संक्रमण से फिर एक मरीज की मौत हो गई है। वहीं इस दौरान 177 नए संक्रमित मिले हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 251 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 1625 रह गए हैं।

प्रदेश में शनिवार को करोना से बाड़मेर में एक मरीज की मौत हुई है। इससे पहले 2 सितम्बर को झालावाड़ में एक संक्रमित की मौत हुई थी। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9629 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर प्रदेश में थोड़ी गिरावट के बाद शनिवार को 19 जिलों में 177 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 254 रोगी सामने आए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी नए संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। इस दौरान जिले में 43 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 23, अलवर में 20, अजमेर में 19, डूंगरपुर में 9, सीकर में 8, उदयपुर, राजसमंद व चित्तौड़गढ़ में 7-7, बांसवाड़ा में 6, दौसा में 5, पाली और भीलवाड़ा में 4-4, कोटा, सवाई माधोपुर, सिरोही व नागौर में 3-3, बूंदी में 2 तथा बीकानेर में एक नया संक्रमित मिला है। प्रदेश में शनिवार को 251 मरीज रिकवर हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस और घटकर 1625 रह गए हैं। जयपुर में भी रिकवरी बढ़ने से 415 एक्टिव केस रह गए हैं। हालांकि जोधपुर में 173 और अलवर में 142 मरीजों का इलाज चल रहा है।

- **पिछले चौबीस घंटों में राजधानी जयपुर में 43 नए मरीज मिले हैं।**
- **प्रदेश में रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर 1625 रह गए हैं।**

जयपुर में शनिवार को 18 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 13 मरीज जमवारामगढ़ में पाए गए हैं। इसके अलावा जगतपुरा में 6, सांगानेर में 5, चाकसू व मालवीय नगर में 3-3 तथा आदर्श नगर, अजमेर रोड, अम्बावाड़ी, आमेर, दुर्गापुरा, गांधी नगर, गोपालपुरा, हरमाड़ा, राजपार्क, शाहपुरा, शास्त्री नगर और विराट नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं एक संक्रमित का पता गलत मिला है। ले में आज 75 मरीज ठीक हुए हैं।

राज परिवार की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सवाई मानसिंह के पास बटलर के तौर पर कार्यरत थे जिनकी सेवाएं बाद में वादी कंपनी को अर्पित कर दी गई। सेवाकाल में नंदा को रहने के लिए रामबाग स्टाफ क्वाटर्स में निशुल्क आवास दिया गया। वहीं नंदा वर्ष 1992 में सेवानिवृत्त हो गए। इसके बाद भी प्रतिवादी पक्ष ने बहाने बनाते हुए आवास खाली नहीं किया।

इस दौरान प्रतिवादी के पिता की मौत हो गई। जब वादी ने आवास खाली करने का कहा तो प्रतिवादी ने भवन खाली नहीं किया। अदालत में प्रतिवादी की ओर से कहा गया कि वादी कंपनी के अस्तित्व में आने से पहले से ही प्रतिवादी पक्ष वहां रह रहा है और सवाई मानसिंह ने यह संपत्ति प्रतिवादी के पिता को दान में देकर मालिक बनाया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने प्रतिवादी को भवन खाली करने को कहा है।

सोनोग्राफी जांच...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर सकेंगे। याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट पूर्व में पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट, 2014 के प्रावधानों पर विचार कर यह तय कर चुका है कि जो चिकित्सक विभाग की सहमति से छह माह का सोनोग्राफी प्रशिक्षण मान्यता प्राप्त संस्थान से प्राप्त कर चुके हैं और उन्हें सोनोग्राफी का अनुभव हो तो वे बिना सी.बी.टी. उत्तीर्ण किए भी सोनोग्राफी जांच कर सकते हैं। याचिका में कहा गया कि इन प्रावधानों को लेकर सुप्रीम कोर्ट दिशा-निर्देश दे चुका है, इसलिए विभाग को निर्देश दिए जाए कि वह याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई ना करे।

याचिका में यह भी कहा गया कि हाईकोर्ट भी डॉ. अनिल चौधरी के मामले में इस संबंध में निर्देश दे चुका है, जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने कहा कि बिना सी.बी.टी. किए भी चिकित्सक सोनोग्राफी कर सकते है।

शाह ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शहीदों के स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा शाह ने 17.67 करोड़ रुपए से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया।

'22 करोड़ बनाम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे एशिया की प्रथम महिला बस ड्राइवर 63 वर्षीय बसंत कुमारी से मिले। उन्होंने उन सफाईकर्मियों तथा स्थानीय बेरोजगार युवाओं से भी बातचीत की, जो रास्ते में कुछ दूर तक उनके साथ चले थे। राहुल ने कहा, ''हमारे 42 प्रतिशत युवा आज बेरोजगार हैं। अगर ये बेरोजगार रहेंगे तो क्या भारत का भविष्य सुरक्षित (कहा जा सकता) है? हम उन सबके लिये पद यात्रा कर रहे हैं। हम नौकरियों के लिये पद यात्रा कर रहे हैं।''

यात्रा में राहुल के साथ 62 वर्षीय उसैया जैसे लोग भी थे। उसैया अपने स्तर पर तेलंगाना के मेड़ापालिल से सैकड़ों मील की यात्रा करके पद यात्रा में शामिल होने आया था।

यात्रा के बारे में बात करते हुए, कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा: ''इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सामाजिक आर्थिक तथा राजनैतिक असमानता को सामने लाना है, लेकिन यह तो उससे भी कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है। सड़कों पर चलते हुये, हम, दरअसल, स्थानीय संस्कृतियों, भाषाओं, स्थापत्य तथा स्थानीय वनस्पति एवं जन्तु-जगत से जुड़ रहे हैं। यह मूलत: एक जन-सम्पर्क आंदोलन है।

महाराष्ट्र में गणेश विसर्जन के दौरान 20 लोगों की मौत

विर्सजन के दौरान कई जगहों पर शिवसेना व शिंदे गुट के लोगों के बीच जमकर मारपीट हुई

मुंबई, 10 सितम्बर। महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में गणेश मूर्ति के विसर्जन के दौरान हुई विभिन्न घटनाओं में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 14 की मौत डूबने से हुई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। गौरतलब है कि 31 अगस्त से शुरू हुआ 10 दिवसीय गणेश उत्सव शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के वर्धा जिले के सवांगी में तीन लोग डूब गए, जबकि एक अन्य देवली में डूब गया। उन्होंने बताया कि यवतमाल जिले में मूर्ति विसर्जन के लिए गए दो व्यक्ति तालाब में डूब गए। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के अहमदनगर जिले के सुपा और बेलवंडी में अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि दो अन्य की मौत प्रदेश के जलगांव जिले में हो गई। उन्होंने बताया कि पुणे के घोड़े गांव एवं यवात में, धूले जिले में, सतारा के लोनीकंड एवं सोलापुर शहर में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि गणेश मूर्ति के विसर्जन के दौरान सड़क हादसे में नागपुर शहर के शक्करदारा इलाके में चार लोगों की मौत हो गई। नागरिक निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि ठाणे के कोलबाद इलाके में बारिश के बीच एक पेड़ एक गणेश पंडाल पर गिर गया, जिससे इस घटना में 55 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार की रात को हुई। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस बीच रायगढ़ के पनवेल में बिजली का झटका लगने से नौ साल की एक बच्ची समेत 11 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम को वडघर कोलीवाडा में हुई। वहीं, प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान कई जगह कानून-व्यवस्था से जुड़ी घटनाएं भी हुईं। अधिकारी ने बताया कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थकों के बीच अहमदनगर जिले के तोपखाना में मारपीट हो गई।

- **महाराष्ट्र में 31 अगस्त से शुरु हुआ दस दिवसीय गणेश महोत्सव शुक्रवार को विसर्जन के बाद सम्पन्न हो गया।**

'लोकसभा चुनाव के वक्त नीतीश कहीं और लुढ़क जायें, इसकी कोई गारंटी नहीं'

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। बिहार की सियासत में पिछले दिनों हुए उलटफेर पर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा है कि आने वाले लोकसभा चुनावों तक सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के रास्ते अलग-अलग हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगला विधानसभा चुनाव भी मौजूदा फॉर्मेशन में नहीं लड़ा जाएगा, यानी कि महागठबंधन के घटक दल एक साथ नहीं रह जाएंगे। प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि इस बात की गारंटी कोई नहीं दे सकता कि नीतीश कुमार फिर से इधर-उधर नहीं होंगे।

जब प्रशांत किशोर से पूछा गया कि क्या देश की राजनीति पर बिहार में हुई सियासी घटनाओं का असर होगा, उन्होंने कहा, 'मेरे ख्याल से ऐसा नहीं होगा। यह एक राज्य विशेष में हुई घटना है। इसका असर बिहार तक सीमित होना चाहिए। राष्ट्रीय राजनीति पर इसका कोई बड़ा असर पड़ेगा, ऐसा मैं नहीं मानता। मैं अपनी राजनीतिक समझ के आधार पर इतना जरूर कह सकता हूं कि बिहार में अगला विधानसभा चुनाव इस फॉर्मेशन में नहीं होगा। मतलब कि एक तरफ बीजेपी और दूसरी तरफ महागठबंधन के 7 दल, अगला विधानसभा चुनाव ऐसे नहीं होगा।'

यह पूछे जाने पर कि क्या नीतीश कुमार फिर से इधर-उधर हो सकते हैं, उन्होंने कहा, 'बिल्कुल हो सकते हैं। इसमें संदेह की क्या बात है? आज बिहार में कौन इस बात की गारंटी ले सकता है कि नीतीश कुमार इधर-उधर नहीं हो सकते। मैं यह नहीं कह रहा कि वह होंगे, लेकिन इस बात की भी गारंटी कोई नहीं ले सकता कि नीतीश इधर-उधर नहीं होंगे। यहां तक कि खुद नीतीश कुमार ने भी नहीं कहा कि कुछ भी हो जाए मैं इधर-उधर नहीं करूंगा।

- **प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि, सिर्फ साथ में बैठकर चाय पी लेने से विपक्ष एकजुट नहीं हो जाता, हकीकत तो वक्त ही बतायेगा**
- **प्रशांत किशोर ने कहा, मैं इतना साफ तौर पर कह सकता हूं कि, बिहार में अगले विधानसभा चुनाव तक नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के बीच गठबंधन कायम नहीं रहेगा24-प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि, सिर्फ साथ में बैठकर चाय पी लेने से विपक्ष एकजुट नहीं हो जाता, हकीकत तो वक्त ही बतायेगा।**

गुमनाम राजनीतिक दल और चंदा

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। चुनाव आयोग से मिली जानकारी के अनुसार देश में 2,174 पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त दल हैं, खास बात यह है कि, इनमें अधिकांश पार्टियों ने आज तक कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा है। चुनाव आयोग अब इस मामले में कार्रवाई करने जा रहा है।

आयोग ने इन दलों की जांच करने के लिए सीबीडीटी से आग्रह किया है।

आयोग की ये कार्रवाई इन दलों की ओर से अपने दानदाताओं की सूची आयोग में जमा नहीं कराने के कारण की जा रही है। आयोग ने बताया कि 2,174 पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त दलों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजस्व विभाग को तब लिखा गया, जब इन दलों को लगभग 1,000 करोड़ रुपये का चंदा मिलने का मामला सामने आया।

'राजस्थान में इंटरनैट बंद करने का कोई प्रोटोकॉल है क्या'

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सहित चार राज्यों में मनमाने ढंग से इंटरनैट बंद करने का आरोप लगाने वाली याचिका पर केन्द्र सरकार से जवाब मांगा है

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में मनमाने ढंग से इंटरनेट बंद करने का आरोप लगाने वाली याचिका पर शुक्रवार को केंद्र से जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह जानना चाहता है कि क्या इस मसले पर कोई प्रोटोकॉल है। सॉफ्टवेयर लॉ सेंटर की ओर से दायर जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए भी इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं।

चीफ जस्टिस उदय उमेश ललित, न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा की पीठ ने कहा कि याचिका में पक्षकार बनाए गए चार राज्यों को नोटिस जारी करने के बजाय वह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को नोटिस जारी करेगी। पीठ ने कहा, हम केवल केंद्र को नोटिस जारी करते हैं कि क्या इस शिकायत के संबंध में कोई मानक प्रोटोकॉल है या नहीं। वकील वृंदा ग्रोवर ने पीठ को बताया कि कलकत्ता और राजस्थान के हाई कोर्टों में याचिकाएं दायर की गई थीं। पीठ ने पूछा, आप उच्च न्यायालयों का रुख क्यों नहीं कर सकते? आप पहले ही ऐसा कर चुके हैं। पीठ ने आगे कहा कि अनुराधा भसीन मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमल को लेकर हाई कोर्टों से अनुरोध किया जा सकता है। अनुराधा भसीन बनाम भारत सरकार मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि इंटरनेट सेवाओं पर एक अपरिभाषित प्रतिबंध अवैध है।

- **14-वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा, राजस्थान सरकार ने हाई कोर्ट से कहा था कि, प्रदेश में अब इंटरनैट बंद नहीं होगा, लेकिन कुछ समय बाद प्रतिबंध लगा दिया गया। इस मामले में कभी भी कोई स्पष्ट नियम अथवा प्रोटोकॉल नहीं बनाया गया है।**

चार्ल्स को मापने के लिये क्या मापदण्ड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही त्याग दिया था। क्वीन का शासन स्थायित्व लिए हुए था। सादा कम हील वाले सैण्डिल्स से लेकर उनके संयमित मनोभाव, सब कुछ एक स्पष्ट सामंजस्य प्रदर्शित करते थे। कुछ अर्थों में चार्ल्स भी इसका विस्तार होंगे, लेकिन उनकी अपीयरैंस त्रुटिपूर्ण रूप से स्थिर है। वे कोई सूट तब तक पहनते हैं जब तक कि उसकी जेबों के भीतर पैबंद ना लग जाए और जूते भी तब तक पहनते हैं जब तक कि वे फट ना जाएं। उनके बाल बचपन से ही एक ही तरह से बनाए जाते हैं।

यद्यपि उनका मन अधिक चंचल है और राजशाही के भीतर रहते हुए भी उनके मनोभाव कुछ हद तक सार्वजनिक हो जाते हैं। उन्हें अपने बचपन को लेकर खास शिकायत है जब उन्हें ''प्रिंस ऑफ वेल्स'' का उपनाम दे दिया था। निश्चित रूप से ऐसी मां का होना जो स्वयं शासक हो, जीवन के लिए हमेशा सुगम नहीं होता। वर्ष 1954 में क्वीन राष्ट्रमण्डल देशों का छह माह का दौरा कर स्वदेश लौटी थीं। गणमान्य अतिथि उनके अभिवादन के लिए कतारबद्ध थे, जब चार्ल्स ने भी इस कतार में शामिल होने की कोशिश की तब क्वीन ने कहा ''प्रिय अभी आप नहीं।'' उन्हें अपनी मां से मिलने के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ी।

कर्त्तव्य पालन का स्थान पहले था। डायन स्पैन्सर से हुए उनके प्रथम विवाह ने उनकी छवि को बुरी तरह से प्रभावित किया। इस जोड़े का विवाह वर्ष 1981 में हुआ था, जब चार्ल्स की उम्र 32 वर्ष और डायना की उम्र महज 20 वर्ष थी। इस समारोह को दुनियाभर के करीब 750 मिलियन लोगों ने देखा था। उनके विवाह को अब 90 के दशक के टेलीविजन साक्षात्कारों के कारण अधिक जाना जाता है, जिनमें डायना से उनके संबंध विच्छेद के कारण विस्तृत रूप से बताए गए थे। डायन ने वर्ष 1995 में घोषणा की थी इस विवाह में हम तीन लोग थे।

बाद में, नैशनल ''पास्टाइम'' के एक साक्षात्कार में, जिसमें लम्पटता को लेकर कई अटकले थीं, चार्ल्स ने उसका संयम से सामना किया। आरोप कड़ी पीड़ा का अनुभव कराते हैं। देश राजपरिवार की जानकारी लेना पसंद करता है। उसे स्वयं पर विचार करने की आदत कम है। समय के साथ देश के लोगों का मत भी बदल गया। उनकी दूसरी पत्नी कमीला को उनकी क्वीन पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया गया है। चार्ल्स अब किंग हैं। यद्यपि उनकी लोकप्रियता की रेटिंग्स अपेक्षाकृत कम बनी हुई है। मई 2022 में किए गए यू.जी.ओ.बी. के एक सर्वेक्षण में उनकी लोकप्रियता की रेटिंग्स स्वर्गीय क्वीन की 81 प्रतिशत और प्रिंस विलियम की 75 प्रतिशत की तुलना में काफी कम 54 प्रतिशत आंकी गई थी। यह उनके लिए और कुल मिलाकर राजपरिवार के लिए एक समस्या है।

चार्ल्स अपनी अति सतर्क तटस्थ मां की तुलना में राजनीतिक रूप से सक्रिय हो सकते हैं। अपनी राय जबर्दस्ती व्यक्त करने के लिए वे पहले ही कुख्यात हैं। अपनी अस्पष्ट सकारात्मक राय के अन्तर्गत अपने लेखों और भाषणों में वे आधुनिक शिल्पकला से लेकर औद्योगिक फर्मिंग तक हर विषय पर चेतावनी दे चुके हैं। उन्होंने टोनी ब्लेयर के समय फॉक्स हंटिंग के खिलाफ अभियान चलाया। वह दलाई लामा का समर्थन करते हैं। वर्ष 2015 में चीन के लिए दिए गए राष्ट्रीय भोज में उनकी अनुपस्थिति पर गौर किया गया और उसे तलख माना गया। ये चीज़े शाही निष्पक्षता से मेल नही खातीं। कई लोग इसे अतिक्रमण मानते हैं। एक क्षेत्र, जिस पर उनका विशेष फोकस होगा, वह है पर्यावरण। प्रिंस के रूप में इस संबंध में चार्ल्स का पहले ही मजाक बनाया जा चुका है। कपड़ों और रबड़ के जूतों के प्रति उनकी अनुचलित उत्सुकता है। उन्होंने ऑर्गेनिक शॉर्टब्रैड और हैरिटेज शीप को प्रमोट किया तथा ''नेचर'' शब्द गढ़ा और पेड़-पौधों के बारे में बात करने को लेकर उनका मजाक बनाया गया।

वर्ष 1990 में उन्होंने ''डची ओरिजिनल्स'' ऑर्गेनिक फूड ब्रॉण्ड खोजा था, लेकिन अधिकांश लोग इससे पहले ही ऑर्गेनिक फूड का नाम सुन चुके थे और जलवायु परिवर्तन को लेकर हुई प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय वार्ताओं में वे इस पर बात कर चुके हैं। पर्यावरण के प्रति उनकी दिलचस्पी हाल ही के वर्षों में एक सनक के बजाए भविष्य सूचक प्रतीत होती है। व्यवस्था बहाल किया जाना एक राष्ट्रीय हॉबी और जलवायु परिवर्तन एक अन्तर्राष्ट्रीय जुनून बन चुका है।

ब्रिटेन में अब ऑर्गेनिक मार्केट की कीमत करीब 3 बिलियन पाउण्ड सालाना है। हालांकि राजसी विजयोल्लासों की प्रकृति अब बदल चुकी है, लेकिन चार्ल्स के प्रदर्शन पर बारीकी से नज़र रखी जाएगी। जब कई देश विजित किए गए और कई दुश्मनों को मारा गया, राजशाही तब अधिक मायने रखती थी।

आज राजाओं का आकलन सांसारिकता की वजह से अधिक किया जाता है। ऐलिज़ाबेथ ने अपना जीवन अस्पतालों के दौरों और स्कूलों के उद्घाटन में गुजार दिया। चार्ल्स भी नि:संदेह इसी अंदाज में काम करेंगे। कम से कम इस काम में तो उनके बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। ब्रिटिश राज गद्दी के पूर्व उत्तराधिकारी स्वच्छंद और शराबी थे। चार्ल्स के निकट कहते हैं कि ''महान योद्धा की भांति काम करते हैं जिस पर विश्वास करना कठिन है।

अशोक गहलोत ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है तथा वे जो कुछ करने जा रहे हैं, उसके बारे में पूरी तरह स्पष्ट हैं।

उन्होंने कहा कि वे भारत जोड़ो यात्रा को नेतृत्व प्रदान नहीं कर रहे, वे तो एक सहभागी मात्र है। सम्पूर्ण पार्टी राहुल गांधी की छवि को उभारने में लग गई है तथा नेतागण राहुल की नजरों में चढ़ने के प्रयासों में लगे हुये हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी इस समय बहुत अस्त व्यस्त एवं भ्रम की स्थिति में है तथा सभी स्तरों के पार्टीजन पार्टी के भविष्य को लेकर असमंजस में हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908